





स्नातक(प्रतिष्ठा) संस्कृत (प्रवेश हेतु २०२०-२०२१)





चयन आधारित क्रेडिट्स प्रणाली (सी.बी.सी.एस)

चयन आधारित क्रेडिट्स प्रणाली एक अन्तराष्ट्रीय रूप से स्वीकृत प्रणाली है जो छात्रों को उनकी <mark>रूचि और उद्देश्य के</mark> आधार पर अंतः विषय और अंतर -अनुशासनात्मक और कौशल आधारित पाठ्यक्रम का चयन कर<mark>ने की अनुमति देती</mark> है।

- *संचयी ग्रेड पॉइंट औसत (सी .जी. पी. ए) को अपनाया जाता है।
- *मूल्याङ्कन प्रणाली में एकरूपता लाना और ग्रेडिंग प्रणाली से गणना करना जो परम्परागत अंक प्र<mark>णाली से बेहतर</mark> माना जाता है।
- *भारत में सम्पूर्ण उच्च शिक्षा में एक सामान ग्रेडिंग प्रणाली शुरू करना तथा छात्रों को भारत और अन्य देशों में भी शिक्षा से लाभान्वित किया जाता है ।
- *उम्मीदवारों के प्रदर्शन का आकलन करने में संभावित नियोक्ताओं को सक्षम बनाता है ।

विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली(सी.बी.सी.एस) की रूपरेखा





- 1. कोर कोर्सेस: यह कोर्स सभी छात्र को पढ़ना अनिवार्य है जिसे पाठ्यक्रम में कोर कोर्स के रूप में रखा गया है
- 2. <u>इलेक्टिव कोर्सेस :सामान्यतः</u> इस कोर्स को पाठ्यक्रम के पुल से चुना जा सकता है <mark>और जो बहुत विशिष्ट हो</mark> सकता है। अध्ययन का विषय जो सक्षम बनाता है तथा विस्तृत दायरा प्रदान करता है।यह एक वैकल्पिक कॉर्स है।
- 3. <u>2.1 डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव</u>: मुख्य डिसिप्लिन के लिए वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रस्तुत किया जा सकता है।विषय का अध्ययन डी. एस. ई. के रूप में सन्दर्भित किया जाता है।विश्वविद्यालय या संस्था डिसिप्लिन से सम्बंधित कोर्स प्रस्तुत कर सकता है।यह मुख्य डिसिप्लिन के लिए प्रस्तुत किया जाता है।
- 4. <u>2.2 जेनेरिक इलेक्टिव कोर्स</u>:यह पाठ्यक्रम सामान्यतः अपने डिसिप्लिन या विषय से अलग होता है जिसे छात्र चयन करता है इसका उद्देश्य एक्सपोजर की तलाश करना है ।यह ऐच्छिक है इस प्रकार इसको जेनेरिक इलेक्टिव के रूप में संदर्भित किया जाता है।
- 5.3.एबिलिटी इनहेन्समेन्ट कोर्स (ए ई सी /कंपेटेंसी इम्प्रोवमेंट कोर्स /स्किल डेवलपमेंट कोर्स)
- <u>फाउंडेसन कोर्स :</u> द एबिलिटी इन हेन्समेंट कोर्स (ए ई)यह कोर्स दो प्रकार का है पहला ए ई कंपल्स<mark>री कोर्स (ए ई. सी</mark> सी)ए ई इलेक्टिव कोर्स (ए ई ई सी) इस पाठ्क्रम की सामग्री ज्ञान की वृद्धि की और ले जाती हैं।दूसरा इंग्लिश /एम आई अल कम्युनिकेसन ,ये सभी डिसिप्लिन के लिए अनिवार्य हैं ए ई सी सी कोर्स मूल्य आधारित एवं कौशल आधारित हैं जिनका उद्देश्य है व्यक्तिगत प्रशिक्षण प्रदान करना तथा व्यावहारिक कौशल दक्षता को प्रदान करना ।
- 3.1 एबिलिटी इन्हेंसमेंट कंपल्सरी कोर्स (ए ई सी सी): पर्यावरण विज्ञान,इंग्लिश कम्युनिकेसन ,एम आई एल कम्युनिकेसन ।
- 3.2 एबिलिटी इनहेन्समेंट इलेक्टिव कोर्स (ए ई सी सी):यह कोर्स मूल्य आधारित औ<mark>र कौशल आधारित है जिसे पाठ्</mark>यक्रम के पुल से चयन किया जा सकता है ।

स्नातक(प्रतिष्ठा) संस्कृत संस्कृत अध्ययन के परिणाम:-



- *विकास और कल्याण के लिए परिवारों और समुदाय में अन्तः विषय संस्<mark>कृत की भूमिका</mark> को समझना एवं उसकी सराहना करना।
- *वेद, ज्योतिष, व्याकरण, दर्शन को समझना जो लोगों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाते हैं।
- *विशेष रूप से स्वयं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कौशल प्राप्त करना ।
- * संस्कृत द्वारा लोगों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाना।
- *पाठ्यक्रम के विस्तृत जानकारी के लिए नीचे दिए गये लिंक पर क्लिक करें-

http//www.du.ac.in/uploads/syllabus _2019/BA%20sanskrit.pdf

स्नातक (प्रतिष्ठा) संस्कृत की संरचना





स्नातक प्रतिष्ठा संस्कृत यह पाठ्यक्रम तीन वर्ष का है प्रत्येक वर्ष दो समसत्र में विभाजित है इस तरह यह पाठ्यक्रम छह समसत्र का होगा । प्रत्येक समसत्र में पन्द्रह सप्ताह होंगे ।

इस पाठ्यक्रम में शामिल हैं-

- *कोर कोर्स (सी. सी.) यह पेपर सभी के लिए अनिवार्य है।
- *एबिलिटी इन्हेंस्मेंट कंपल्सरी कोर्स(ए. ई. सी. सी.)
- *इलेक्टिव कोर्स -एबिलिटी इन्हेंस्मेंट इलेक्टिव कोर्स(ए. ई. ई. सी.)/स्किल इन्हेंसमेंट कोर्स (एस. ई. सी.), डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव (डी. एस. ई.),

जेनेरिक इलेक्टिव (जी. ई.)

संस्कृत में उपाधि प्राप्त करने के लिए एक छात्र को अध्ययन करना होगा :

चौदह -कोर पेपर ,दो -ए. ई. सी. सी. पेपर ,दो -ए. ई. ई. सी. पेपर /एस. ई. सी., चार -डी. एस. ई. पेपर और चार -जी. ई. पेपर ।

और इसी वजह से न्यूनतम 140 क्रेडिट्स प्राप्त करते हैं।

संस्कृत हिन्दी माध्यम में पढाई जाती है।

स्नातक (प्रतिष्ठा) संस्कृत के प्रथम वर्ष में पढ़ाए जाने वाले पेपर प्रथम-द्वितीय सेमेस्टर (२०२०-२०२१)





सेमेस्टर	कोर कोर्स (14)	एईसीसी. (02)	एईईसी./एसईसी. (02)	डीएसई. (04)	जीई. (04)
प्रथम	१- शास्त्रीय संस्कृत साहित्य (पद्य)	पर्यावरण विज्ञान			हिन्दी/इतिहास राजनीति विज्ञान/समाज शास्त्र
	२- संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक सर्वेक्षण				
द्वितीय	३- शास्त्रीय संस्कृत साहित्य (गद्य)	संस्कृत साहित्य			हिन्दी/इतिहास राजनीति विज्ञान/समाज शास्त्र
	४- गीता में आत्म प्रबन्धन				

स्नातक (प्रतिष्ठा)_संस्कृत सेमेस्टर वार कोर्स का विवरण तृतीय-षष्ठ सेमेस्टर





सेमेस्टर	कोर कोर्स (14)	एईसीसी. (02)	एईईसी./एसईसी. (02)	डीएसई. (04)	जीई. (04)
तृतीय	५-शास्त्रीय संस्कृत साहित्य(नाटक)		अभिनय एवं पठकथा लेखन		हिन्दी/इतिहास राजनीति विज्ञान/समाज शास्त्र
	६ -काव्यशास्त्र एवं साहित्यिक आलोचना				
	७ -भारतीय सामाजिक संस्था एवं राजशास्त्र				
चतुर्थ	८- भारतीय अभिलेख शास्त्र ,पुरालिपि शास्त्र एवं कालक्रम निर्धारण पद्धति		मशीनी अनुवाद:उपकरण एवं प्रविधियाँ		हिन्दी/इतिहास राजनीति विज्ञान/समाज शास्त्र
	९- आधुनिक संस्कृत साहित्य				
	१०- संस्कृत एवं विश्व साहित्य				
पञ्चम	११- वैदिक साहित्य			संस्कृत भाषाविज्ञान	
	१२- संस्कृत व्याकरण			संस्कृत विषयक संगणकीय भाषाविज्ञान	
षष्ठ	१३- भारतीय सत्तामीमांसा और ज्ञानमीमांसा			संस्कृत भाषा सम्बन्धी संगणना करने वाले उपकरण एवं प्रविधियाँ	
	१४- सस्कृत :वाक्यरचना एवं संप्रेषण			आयुर्वेद के आधारभूत तत्त्व	

संस्कृत में आजीवका से संबंधित संभावनाएं





- १ अध्यापन
 - २ शोध
- ३ समाचार वाचन
 - ४ अनुवादक
- ५ सरकारी-गैर सरकारी संस्थानो मे नौकरी इत्यादि

उच्च शिक्षा में विकल्प:-

-पीएच.डी

-एम.फिल

-एम.ए

-संस्कृत डिप्लोमा

-संस्कृत सर्टिफिकेट कोर्स

-बी.एड

-एम.एड







विभागीय गतिविधियां सांस्कृत वाद-विवाद प्रतियोगिता-समारोहः

N'S COLLEGE

धन्यवद